चांदूर बाजार, अचलपुर के लिए 5 करोड़ मंजूर

विधायक प्रवीण तायडे के प्रयासों को सफलता

संवाददाता/प्रतिदिन अखबार
चांदूर बाजार, 20 अक्टूबर – अचलपुर और चांदूर बाजार नगर परिषदों के विकास कार्यों के लिए विशिष्ट निधि से लगभग 5 करोड़ रुपयों की निधि मंजूर की गई है तथा यह निधि मंजूर करवाने के लिए विधायक प्रवीण तायडे के लगातार प्रयास कारणीभूत हैं. इस कार्य के लिए उनके निर्वाचन क्षेत्र के नागरिकों ने संतोष व्यक्त किया है.इस विशिष्ट निधि से चांदूर बाजार व अचलपुर नगर परिषद के विकास कार्यों को चालना मिलेगी. इस निधि से सामाजिक कार्यों के लिए आवश्यक रहने वाले कामों पर यह निधि खर्च की जाएगी. इसमें अचलपुर नगर परिषद अंतर्गत वाघामाता चौक के समीप छत्रपति संभाजी महाराज सृष्टि उद्यान विकसित करना, भगतसिंग चौक में स्थित हनुमान व्यायामशाला में नगर परिषद के सभागृह का निर्माण कार्य करना, जलतरण तैराक के समीप क्रिकेट टर्फ ग्राउंड तैयार करना, कैम्प विभाग सर्किट हाउस में जिजाऊ सृष्टि विज्ञान विकसित करना, अचलपुर नगर परिषद की प्रशासकीय इमारत का विस्तारीकरण करना, परतवाड़ा के पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में नगर परिषद का सभागृह निर्माण करना, प्राथमिक शाला के समीप आच्छादित क्रीड़ांगण तैयार करना, सुलतानपुरा में स्वामी समर्थ महाराज मंदिर में नगर परिषद के सामाजिक सभागृह का निर्माण कार्य करना, अब्बासपुरा प्रभुदादा मंदिर के समीप स्थित कालका माता मंदिर में नगर परिषद के सामाजिक सभागृह का निर्माण कार्य करना आदि कार्यों का समावेश है. चांदूर बाजार नगर परिषद क्षेत्रों के कामों में चांदूर बाजार के मोर्शी रोड स्थित हिंदू श्मशान भूमि को विकसित करना, चांदूर बाजार नप अंतर्गत माळीपुरा के राम मंदिर में नगर परिषद के सामाजिक सभागृह का निर्माण कार्य करना आदि कामों का समावेश है. इस निधि के कारण अचलपुर और चांदूर बाजार नगर परिषद की सीमा में विकास कार्यों को चालना मिलेगी तथा इन निर्वाचन क्षेत्रों के नागरिकों की अपेक्षा पूर्ण करने के लिए मैंने लगातार शासन दरबार में अनुगमन किया है, ऐसा विधायक प्रवीण तायडे ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा.

अक्स अंचल का

माहुली जहांगीर में स्वास्थ्य शिविर को भारी प्रतिसाद

नांदगांव पेठ – माहुली जहांगीर में 5 अक्टूबर को हुए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का सैकड़ों नागरिकों ने लाभ लिया. शिविर में अर्मेश हॉस्पिटल के संचालक अस्थिरोग तज्ञ डॉ. राहुल बिजवे व डॉ. मीनल बिजवे ने सेवाएं देकर स्वास्थ्य जांच कर औषधोपचार किया व स्वास्थ्य के बारे में मौलिक मार्गदर्शन किया. शिविर में मरीजों की निःशुल्क जांच के साथ ही मरीजों की बीएमडी जांच, हिमोग्लोबिन, शुगर, बीपी आदि विभिन्न टेस्ट्स निःशुल्क की गयीं.

जिप सीईओ ने घरकुल लाभार्थियों से की भेंट

वाठोड़ा शुक्लेश्वर- जिप सीईओ संजीता मोहपात्र व प्रकल्प संचालक प्रीति देशमुख ने 16 अक्टूबर को ग्रापं निंभा में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण साथ ही सीएम समृध्द पंचायत राज अभियान तथा विभिन्न विकास कार्यों को भेंट देकर समिक्षा की. पूर्ण हो चुके घरकुल की चाबी प्रदान की और निर्माण कार्य अपूर्ण रहने वाले लाभार्थियों के घर जाकर घरकुल पूर्ण करने के निर्देश दिये. आंगनवाड़ी में विद्यार्थियों को नोटबुक भेंट दी. प्रीति देशमुख, तुषार दांडगे, टी.डी. चव्हाण, सरपंच गुड़धे, उपसरपंच सनके उपस्थित थे.

देशमुख शिवाजी शाला में वाचन प्रेरणा दिन

चांदूर रेलवे– बापुसाहब देशमुख शिवाजी हाईस्कूल व जूनियर कॉलेज में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती वाचन प्रेरणा दिन के तौर पर उत्साह से मनायी गयी. कार्यक्रम में अध्यक्ष एचएम डॉ.अतुल ठाकरे, प्रमुख अतिथि एस.वी. पाटिल, एस.बी. देशमुख, एस.एस. मिश्रा उपस्थित थे. डॉ. पंजाबराव देशमुख के पुतले का पूजन तथा डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की प्रतिमा को माल्यार्पण कर कार्यक्रम शुरू हुआ. वाई.डी. कोठाळे, जे.बी. शेंदुरजने, शिक्षक स्टाफ, कर्मचारी, विद्यार्थी तथा पालक बड़ी संख्या में उपस्थित थे.

अनुदान की केवल चर्चा

सरकार के आदेश पर अमल नहीं

▶▶ किसानों को गुमराह करने का प्रयास
▶▶ उपज मंडी के सभापति का आरोप

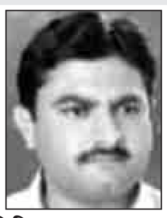

संवाददाता/प्रतिदिन अखबार
वरुड़, 20 अक्टूबर- तहसील में बीते दिनों सोशल मीडिया पर किसानों को वर्ष 2023 अतिवृष्टि व 2024 ओलावृष्टि का अनुदान मिलने संबंधी जानकारी प्रसारित हो रही थी, किंतु प्रत्यक्ष में मात्र शासन का आदेश न होकर यह केवल किसानों की दिशाभूल करने का प्रयास होने का आरोप उपज मंडी के सभापति नरेंद्र उर्फ बबलू पावडे उसी प्रकार खरीदी-बिक्री संघ के अध्यक्ष तुषार निकम ने लगाया है.

इस संदर्भ में नरेंद्र पावडे, तुषार निकम आदि सहित अनेक संस्थाओं के पदाधिकारियों ने प्रत्यक्ष में तहसीलदर से भेंट करके इस संबंध में जानकारी दी तब उपरोक्त विषयों के संदर्भ में शासन का कोई नया नियम नहीं है तथा पहले कुछ किसानों को अतिवृष्टि व ओलावृष्टि के दोनों मिलाकर 3 हेक्टेयर में अनुदान मिला था. जिसमें कुछ किसान अनुदान से वंचित रह गए थे. उनके अनुदान अब आना आरंभ हुआ है. इसमें भी 3 हेक्टेयर से अधिक भूमिवाले किसानों को अनुदान नहीं मिलेगा. कुछ बातें सोशल मीडिया पर प्रसारित होती हैं, किंतु वह बात गलत होने के चलते किसानों को गलतफहमी में नहीं रहना चाहिए. विद्यमान स्थिति में अतिवृष्टि दोनों मिलाकर 3 हेक्टेयर से अधिक भूमिवाले किसानों को नहीं मिलेगा.

2025 में वरुड़ तहसील अतिवृष्टिग्रस्त घोषित हुआ. वरुड़ तहसील में बड़े प्रमाण में चर्चा है तथा विद्यमान स्थिति में शासन की ओर से अनुदान मिलने के लिए कोई आदेश प्राप्त नहीं हुआ है. तहसील कार्यालय की ओर से अतिवृष्टि के संबंध में सातों मंडलों की जानकारी भेजी गयी है तथा कौन से मंडल में कितने अनुदान की रकम चाहिए. इस संबंध में शासन को सूचित कर दिया गया है. इस संबंध में शासन की ओर से किसानों का विचार किया गया तो यह अनुदान की रकम किसानों को मिल सकती है, अतः सभी किसानों से निवेदन है कि 2023 अतिवृष्टि व 2024 ओलावृष्टि के अनुदान आपको विद्यमान स्थिति में नहीं मिलेंगे. इस संबंध में गलतफहमी न रखी जाए व वर्ष 2025 अतिवृष्टि का अनुदान शासन आदेश प्राप्त होने पर किसानों को दिलासा मिलेगी, इसके लिए हम सभी किसान प्रयासरत रहेंगे, ऐसा आवाहन भी किया गया है.

सिंचाई विकास महामंडल की ओर से किसानों को सानुग्रह अनुदान

▶▶ विधायक यावलकर के प्रयासों को सफलता ▶▶ दिवाली पूर्व किसानों को धनादेश का वितरण

संवाददाता/प्रतिदिन अखबार
वरुड़, 20 अक्टूबर – विदर्भ सिंचाई विकास महामंडल के आदेशानुसार निर्माण हुए तहसील के पंढरी मध्यम प्रकल्प निर्मिती के समय कुल 740.86 (हे.आर) क्षेत्रफल में किसानों की जमीन शासन की ओर से संपादित की गई. इनमें 648 किसानों की जमीन शासन के आदेशानुसार हस्तांतरित की गई थी. किंतु उन्हें उनकी जमीन का मुआवजा शुरु रहने वाले भाव के अनुसार शासन की ओर से नहीं मिलने के कारण इस पर विदर्भ बळीराजा संघर्ष समिति की ओर से आपत्ति दर्ज करवाई गई थी.

सिंचाई विभाग की ओर से सीधी खरीदी के अनुसार संपादित क्षेत्र के लिए किसानों को सानुग्रह अनुदान दिया जाए. इसके लिए विधायक चंदू उर्फ उमेश यावलकर ने लगातार अनुगमन किया था. आखिर उनके अनुगमन को सफलता मिलने से उनके अथक प्रयासों के फलस्वरूप किसानों को प्रति हेक्टयर 5 लाख रुपए दर से कुल 37 करोड़ 16 लाख 55 हजार रुपयों की निधि को सिंचाई विभाग की ओर से मंजूरी दी गई है तथा सानुग्रह अनुदान देने के संबंध में वैसा शासन निर्णय निकाला गया है. इस निर्णय के अनुसार शुक्रवार, 17 अक्टूबर को ऐन दिवाली के शुभ मुहूर्त पर 648 में से 58 किसानों को सानुग्रह अनुदान के 10 करोड़ रुपए के धनादेश भाजपा उपजिलाध्यक्ष श्रीधर सोलव, तहसील अध्यक्ष राजकुमार राऊत, दीपक पवार, प्रमोद पालवे, वरिष्ठ लिपिक प्रदीप इघे, कनिष्ठ अभियंता अभिषेक पोहरे, सुजाता मेश्राम, प्रीति राऊत की उपस्थिति में चरण दर चरण वितरित किए गए. इस अवसर पर उपस्थित भागवत होर्डे, वासुदेव खासबागे, लीलाधर ढोरे, हरिदास कोहळे, अनिल फरतोडे सहित अनेक किसानों को धनादेश का वितरण किया गया है.

महानुभाव पंथ के लोगों के लिए अंतिम संस्कार की जगह उपलब्ध करें

अभा महानुभाव मंडळ ने की सांसद-विधायक से मांग

संवाददाता/प्रतिदिन अखबार
दर्यापुर, 20 अक्टूबर- दर्यापुर तहसील महानुभाव मंडल द्वारा संचालित श्रीकृष्ण मंदिर प्रतिष्ठान ने साईनगर की ओर से सांसद बलवंत वानखड़े और विधायक गजानन लवटे को एक ज्ञापन सौंपकर मांग की गई है कि दर्यापुर शहर में महानुभाव पंथियों के अंतिम संस्कार हेतु स्थान उपलब्ध कराया जाए. सांसद बलवंत वानखड़े को इस संबंध में ज्ञापन सौंपा. उन्होंने कहा कि महानुभाव पंथियों के अंतिम संस्कार हेतु अलग स्थान उपलब्ध कराया जाए क्योंकि महानुभाव पंथी अग्नि प्रदान नहीं करते हैं, इसलिए उन्हें मिट्टी प्रदान करनी पड़ती है. दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि सरकार को सरकारी स्तर पर ई-क्लास स्थान उपलब्ध कराना चाहिए और महानुभाव पंथियों के साथ सहयोग करना चाहिए. इस दौरान दर्यापुर तहसील महानुभाव मंडळ द्वारा संचलित श्रीकृष्ण मंदिर प्रतिष्ठान अध्यक्ष डॉक्टर विट्ठलराव साबळे, मनोज पाटिल साबळे, संजय चिंचोळकर, कृष्णा गजानन उर्फ नानासाहेब खंडारे, सविता नानासाहेब खंडारे, अनंत गोकुळ भडांगे, महादेवराव भडांगे, पूर्व अध्यक्ष डॉ. वसंतराव काळे, सरला पुरुषोत्तमराव भडांगे, गोकुळ पाटिल भडांगे, शशिकला मोरे, शुभांगी जुनघरे, रजनी इंगळे, सविता कांडलकर, मदनराव कांडलकर, बाळकृष्ण कडू, रामभाऊ बंड, बबिता तायडे, निशा गावंडे, पुष्पा सगणे, रुपेश साबळे, ओंकार सपकाळ, अशोकराव होले व अन्य महानुभाव पंथीय कार्यकर्ता प्रमुखता से उपस्थित थे.

केवल कुछ सहूलियतें देकर किसानों को समझाने का आरोप

वरुड़ तहसील के 6 मंडलों को रखा निकष के बाहर

किसान नुकसान भरपाई से वंचित

▶▶ अतिवृष्टि के कारण झाड़ों पर लगे संतरे, मौसंबी शेष नहीं रही. ऐसी परिस्थिति में संतरा उत्पादक किसानों का भारी नुकसान हुआ है. इसलिए इन किसानों के घर की दिवाली अंधकारमय हो गई है.
– सागर राऊत, चिंचरगव्हाण

▶▶ अतिवृष्टि से किसानों के मुंह तक आया निवाला छिन गया. शासन ने अतिवृष्टि के लिए घोषित की गई सहायता 6 मंडलों को भी मिले, अन्यथा आंदोलन करना होगा.
– मनीष धोटे, किसान

संवाददाता/प्रतिदिन अखबार
वरुड़, 20 अक्टूबर- शासन द्वारा घोषित किए गए अतिवृष्टि की नुकसान भरपाई में तहसील के बेनोडा शहीद मंडल को छोड़कर अन्य 6 मंडलों को केवल सहूलियतें मिलने के कारण किसान बंधु संतप्त हो गए हैं. जिसके कारण नुकसान भरपाई मिले इसलिए दर्दभरी मांग किसानों ने की है.

गत जून से सितंबर माह में हुई अतिवृष्टि के कारण किसानों का भारी नुकसान होने से किसान अत्यंत त्रस्त हो चुके हैं. किसानों को पुनः खडे करने के लिए राज्य शासन ने उन्हें नुकसान भरपाई देने की घोषणा की. संतरा, मौसंबी के फल गलन से फल उत्पादक किसानों को भारी नुकसान हुआ है. उसी प्रकार सोयाबीन भी उध्दवस्त हो गया है. ऐसी परिस्थिति में किसानों को सहायता मिलना आवश्यक होने के चलते शासन ने तहसील के केवल बेनोड़ा शहीद मंडल को सहायता की घोषणा की. वरुड़, राजूरा बाजार, शेंदुरजना घाट, पुसला, वाठोड़ा तथा लोणी इन 6 मंडलों की नोंद लगातार बारिश के निकषों से बाहरवाले मंडल के रूप में की गई है. जिसके कारण शासन की ओर से दी जानेवाली सहायता इन मंडलों को नहीं मिलेगी, यह बात स्पष्ट हो गई है. फिर भी इन मंडलों को कुछ सहूलियतें देकर किसानों को संतुष्ट किया गया है किंतु नुकसान होने के बावजूद भी आर्थिक मदद नहीं मिलने से किसानों में भारी रोष व्याप्त है.

अचलपुर में एक ही दिन में 3 की मौत

परिसर में शोक व्याप्त

संवाददाता/प्रतिदिन अखबार
अचलपुर, 20 अक्टूबर - शहर का बेगमपुरा परिसर रविवार को दुःखों के सागर में डूब गया. रविवार को एक ही दिन, एक ही परिसर के 3 लोगों की मृत्यु हो जाने से संपूर्ण परिसर में शोक व्याप्त हो गया है. दिनभर वातावरण दुःखद नजर आया. पहला दुःखद समाचार आया वह सुभाष नीलकंठ पवार (58) के अचानक निधन का. अत्यंत मिलनसार व सामाजिक कार्य में तत्पर रहने वाले मित्र परिवार और स्वजनों में दुःख छा गया. वे अपने पीछे मां, पत्नी, पुत्र, पुत्री, भाई, बहन सहित भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं. उनकी अंतिम यात्रा प्रातः 10 बजे हनवतपुरा हिंदू श्मशान भूमि में संपन्न हुई.

दोपहर को दूसरा दुःखद समाचार मिला, वह 80 वर्षीय वत्सला कृष्णराव शेटे के निधन का. वे प्रतिष्ठित डॉ.कृष्णराव शेटे की पत्नी थीं. जीवनभर सरल, स्वाभिमानी और मधुर स्वभाव के लिए वे परिचित थीं. वत्सला बाई को परिसर में मां के समान व्यक्तित्व के रूप में पहचाना जाता है. वे अपने पीछे पति, 3 पुत्र, 1 पुत्री, नाती-पोतों सहित भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं. उनकी अंतिम यात्रा दोपहर 2 बजे निकली.

तीसरी निधन की खबर गणेश भातुरकर (65) के निधन की मिली. अत्यंत सादगीपूर्ण और ईमानदार स्वभाव तथा कर्तव्यनिष्ठा के लिए वे प्रसिध्द थे. गणेश भातुरकर के निधन से परिसर के अनेक लोगों के आंखों में अश्रु दिखायी दिए.

वे अपनी पीछे पत्नी, पुत्र, बहू और नाती-पोतों सहित भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं. उनका अंतिम संस्कार भी हिंदू श्मशान भूमि में किया गया.

आत्मविश्वास का दूसरा नाम दिव्यांग युवराज ठाकरे

सांसद डॉ. अनिल बोंडे का प्रतिपादन

संवाददाता/प्रतिदिन अखबार
वरुड़, 20 अक्टूबर– विकलांगता अर्थात बाधा नहीं, बल्कि एक नई क्षमता का दर्पण है, ऐसा प्रतिपादन 'रंगतारा' इस चित्रकार युवराज ठाकरे की जीवन यात्रा पर आधारित प्रेरणात्मक पुस्तक के मुख्य पृष्ठ का अनावरण करते हुए सांसद डॉ. अनिल बोंडे ने कहा.उन्होंने आगे कहा कि, दिव्यांग रहने के बावजूद भी युवराज ठाकरे ने कला के माध्यम से अपने जीवन को नए रंगों से सजाया है. चित्रकला की उनकी प्रतिभा केवल स्वयं की सफलता पर मर्यादित नहीं, बल्कि अनेक विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्त्रोत साबित हुई है. उन्होंने स्वयं के प्रयासों से उद्योग का निर्माण किया, ग्रामीण क्षेत्र में विद्यार्थियों के लिए पुस्तकालय की स्थापना की और नई गुरुकुल शाला शुरू करके उन्होंने समाज में शिक्षा का दीप प्रज्वलित किया. रंगतारा नामक पुस्तक आज हम सब की उपस्थिति में प्रकाशित हो रही है. यह पुस्तक अर्थात उनके जीवन के रंगों की, भावनाओं की और प्रेरणा की कहानी है. चित्रकार युवराज ठाकरे की यह जीवन यात्रा है.

रंगों के माध्यम से उन्होंने जीवन को आशा का और आत्मविश्वास का नया आकार दिया है. युवराज ठाकरे के कार्य हमें सिखाते हैं कि प्रत्येक चित्ररेखा अर्थात जीवन के संघर्षों पर खींची गई विजय रेखा है. इस सम्मान समारोह से हम उन्हें केवल गौरवान्वित नहीं, बल्कि उनकी प्रेरणा का दीया समाज में और तेजी से प्रज्वलित करने का वचन दे रहे हैं. युवराज ठाकरे की जिद, कार्य को और उनकी कला को मनपूर्वक सलाम! उनकी रंगतारा पुस्तक सदैव हमें आकाश में चमकते रहो, ऐसा भी इस अवसर पर सांसद डॉ. अनिल बोंडे ने कहा.

धारणी में सोयाबीन को केवल 3355 रुपए भाव

▶▶ कब शुरू होगी कृषि उपज बाजार समिति? ▶▶ किसानों ने पूछा सवाल

संवाददाता/प्रतिदिन अखबार
धारणी, 20 अक्टूबर– मेलघाट परिसर के किसान फिलहाल बहुत अड़चन में घिरे हुए हैं. इस बार अनियमित बारिश से सोयाबीन की फसल बड़े प्रमाण में बर्बाद हो गयी है. फसल की वृध्दि अधूरी रही है, उत्पादन में बहुत बड़ी कमी आयी है. ऐसे हालात से किसानों को आधार मिलना अपेक्षित रहते हुए उल्टे मंडियों में दाम भी बहुत लुढ़क गये हैं. फिलहाल सोयाबीन को मंडी में सिर्फ 3355 रु. प्रति क्विं. इतना ही दाम मिल रहा है. यह दाम उत्पादन खर्च से भी कम रहने से किसान लाचार तथा मजबूर हो गये हैं. ऐसे में धारणी की कृषि उपज बाजार समिति बंद रहने से किसानों को अपनी कृषि उपज की बिक्री करने के लिये ठोस तथा पारदर्शी यंत्रणा उपलब्ध नहीं है.

किसानों का सवाल है कि, बाजार समिति शुरू नहीं होगी तो कृषि उपज की नीलामी कौन करेगा और दाम कौन तय करेगा? व्यापारी खुला बाजार खोलकर सीधे खरीदी कर रहे हैं. बाजार समिति बंद रहने की वजह से किसानों को दलालों की दया पर निर्भर रहना पड़ रहा है. जिसके फलस्वरूप अधिकृत दाम के बजाय कम दाम पर कृषि उपज बेचनी पड़ रही है.

धारणी बाजार समिति ने गोदाम नहीं, बाजार यार्ड भी नहीं, ऐसी हालात है. उसकी वजह से किसानों को संग्रहण तथा बिक्री दोनों के लिये प्रचंड तकलीफ सहन करनी पड़ रही है. अनेक किसान अपनी कृषि उपज को घर के आंगन में ही अथवा ट्रैक्टर्स में ही रखे हुए बैठे हैं. सरकार की ओर से इस प्रश्न की ओर अनदेखी होने की भावना निर्माण हो गयी है. स्थानीय किसान नेताओं का कहना है कि, कृषि उपज बाजार समिति को बंद रखना यानी किसानों के साथ सीधे अन्याय है. प्रशासन ने तुरंत बाजार समिति को शुरू कर नीलामी की व्यवस्था शुरू करें, अन्यथा किसानों का नुकसान और बढ़ेगा.

बाजार में दर नियंत्रण में नहीं

फिलहाल व्यापारी मुक्त खरीदी कर रहे हैं. फिर भी अधिकृत पंजीयन नहीं रहने की वजह से मार्केट के दर नियंत्रण में नहीं हैं. उस वजह से दर का खेल शुरू है, किसानों को न्याय दर से वंचित रहना पड़ रहा है. किसान अब सरकार के पास बाजार समिति को शुरू करने के और दरवृध्दि की मांग कर रहे हैं.

पुसदा जिप सर्कल में इच्छुकों की भीड़

कांग्रेस, प्रहार व भाजपा की रणनिति

संवाददाता/प्रतिदिन अखबार
नांदगांव पेठ, 20 अक्टूबर– अमरावती तहसील का पुसदा जिप सर्कल नामाप्र सर्वसाधारण आरक्षित हुआ है. यह मतदाता संघ कांग्रेस का गढ़ रहा है. गत चुनाव में यहां कांग्रेस के प्रकाश साबळे विजयी हुये थे, उस समय कांग्रेस के निष्ठावान श्याम देशमुख ने पक्षनिष्ठा का जतन कर पीछे हटे, पक्ष प्रत्याशी के लिये मन से काम किया, इस त्याग से कार्यकर्ताओं में सम्मान का स्थान प्राप्त किया. प्रकाश साबळे पुनः टिकट की स्पर्धा रहते समय कांग्रेस के वरिष्ठ स्तर पर श्याम देशमुख के नाम को समर्थन मिलने की चर्चा है. उनका अनुशासन, संयम तथा संगठन कौशल से कार्यकर्ताओं में उनका प्रभाव है. इसके अलावा कांग्रेस के गुट में एड. अमित गावंडे, शैलेश बोंडे व नानासाहब बोंडे के नामों की भी चर्चा शुरु है. जिससे कांग्रेस में उम्मीदवार का चयन यह कठिन परीक्षा साबित होने वाली है. प्रकाश साबळे ने किसानों से जुड़कर सभी घटकों के लिये काम किया है. जिससे निश्चित किसे टिकट मिलेगा, यह संभ्रम है.

इन सभी में प्रहार जनशक्ति के पवन उर्फ छोटू महाराज वसू की भी एन्ट्री राजकीय समीकरणों को उलझन भरे कर रही है. बीते चुनाव में पराजित होने पर भी पवन उर्फ छोटू महाराज वसू ने जनसेवा रोकी नहीं है. मरीजों की सेवा उनका सच्चा ध्येय रहने से वे केवल पुसदा सर्कल तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे जिले में उनकी निःस्वार्थ तथा लगातार मरीजों की सेवा के लिये वे सुविख्यात हैं. एंबुलेंस सेवा, रक्तदान उपक्रम, हादसग्रस्तों को तत्काल मदद तथा स्वास्थ्य शिविरों, ऐसे अनेक कार्यों से उनका समाज में मजबूत जनाधार तैयार हो गया है. ऐसे में इस बार पवन उर्फ छोटू महाराज वसू को जनता की ओर से मौका मिलता है क्या? या फिर अन्य प्रत्याशियों की लहर (लाट) बनी रहती है, यह देखना उत्सुकता का साबित होनेवाला है.भाजपा द्वारा फिलहाल अधिकृत घोषणा नहीं हुयी है फिर भी एपीएमसी संचालक कठोर बु. के सरपंच प्रवीण अलसपुरे यह प्रमुख दावेदार माने जा रहे हैं. संगठन कौशल तथा स्थानीय स्तर पर प्रभाव के कारण भाजपा द्वारा उन पर विश्वास दिखाया जाने की संभावना है. इस सर्कल में शिंदे गुट व अजित पवार गुट के कार्यकर्ता भी सक्रिय हैं, फिर भी भाजपा उम्मीदवार देनेवाली रहने से उनकी ओर फिलहाल अनिश्चितता का साया है. कुल मिलाकर पुसद जिप सर्कल में कांग्रेस में गुटबाजी, भाजपा में रणनीति और प्रहार जनशक्ति पक्ष का सामाजिक प्रभाव, ऐसी तिकोनी स्पर्धा की रंगत बढ़ी है. जनता किसे चुनेगी, यह तय करने वाला समय अब नजदीक आया है.

पुसदा सर्कल को कांग्रेस के पास अबाधित रखने उम्मीदवार यह बहुत महत्व का होगा. प्रकाश साबळे और श्याम देशमुख के बीच टिकट के लिये दावेदारी है, फिर भी पक्ष के श्रेष्ठी पुराने उम्मीदवार पर पुनः दाव खेलेंगे अथवा वर्षों से पक्ष हित में कार्यरत श्याम देशमुख के नाम पर मुहर लगायेंगे, यह तो समय ही तय करेगा. परंतु सत्तासीन भाजपा के लिये यह चुनाव आसान नहीं है. जनसेवक की उपाधि प्राप्त पवन उर्फ छोटू महाराज वसू का दैनिक सेवाकार्य रहने से उन्हें यह चुनाव कठिन नहीं, ऐसी चर्चा निर्वाचन क्षेत्र में जारी है.